14.52 hrs.

AMRITSAR OIL WORKS (ACQUISITION AND TRANSFER OF UNDERTAKINGS) BILL*

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRIES OF CIVIL AVIATION AND CIVIL SUPPLIES (SHRI BHAGWAT JHA AZAD): I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for the acquisition and transfer of the right, title and interest of the undertakings of the Amritsar Sugar Mills Company in relation to the Amritsar Oil Works with a view to sustaining and strengthening the nucleus of public owned or controlled units required for ensuring supply of wholesome vanaspati and refined edible oils to the public at reasonable prices and thereby to give effect to the policy of the State towards securing the principles specified in clauses (b) and (c) of article 39 of the Constitution.

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the acquisition and transfer of the right, title and interest of the undertakings of the Amritsar Sugar Mills Company in relation to the Amritsar Oil Works with a view to sustaining and strengthening the nucleus of public owned or controlled units required for ensuring supply of wholesome vanaspati and refined edible oils to the public at reasonable prices and thereby to give effect to the policy of the State towards securing the principles specified in clauses (b) and (c) of article 39 of the Constitution."

The motion was adopted.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: I introduce† the Bill.

14.54 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(I) REPORTED PLIGHAT OF VILLAGES DUE TO COUSRE OF OLD ROAD BY VARANASI CANTT. ARMY AUTHORITIES.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (रुदपुर): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से वाराणसी छावनी के सैनिक अधिकारियों की अदूरदर्शिता की ओर ले जाना चाहता हूं ।

कुछ वर्ष पहले इसी सैनिक सीमा से सटे लहरतारा नामक स्थान में रामलीला हो रही थी एक साधारण सी बात पर यहां के सैनिक एक बड़ा झुंड बनाकर रामलीला में घुस गये । आदमी, बच्चों और बूढ़ों को बुरी तरह पीटा । औरतों की अपमानित किया । सैनिक सीमा से सटे पहलू का पूरा, कुम्हारा पूरा, फुलवरिया, इमलियाघाट, सरैया नामक कई नागरिक क्षेत्र हैं । इन क्षेत्रों में आने जाने के लिए सैकड़ों वर्षों से मिलिटरी के बीच से रास्ते हैं । हजारों लोग बराबर आते जाते हैं ? विगत दो तीन वर्षों से मिलिटरी अधिकारियों, सैनिकों का व्यवहार नागरिक आगन्तुकों के प्रति सहयोगपूर्ण नहीं रहा है । लोगों को अकारण पीटा जाता है । भयभीत किया जाता है । एक बार एक आगन्तुक ने सड़क के किनारे पड़े हुए कूड़े के पास पेशाब कर दिया । उसे तब तक पीटा गया, जब तक कि वह पेशाब से भीगी हुई पूरी मिट्टी को अपनी चादर में उठाकर बांध नहीं लिया । एक भूतपूर्व मंत्री को भी रोका गया और स्थिति जिलाधिकारी द्वारा संभाली गई ।

---

*Published in Gazette of India Extra- ordinary Part II. section2, Dated 4-10-1982.

†Introduced with the recommendation of the President.